गोल 2.0

प्रिलिम्स के लिये:

गोल कार्यक्रम, डिजिटल प्रौद्योगिकी, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, ई-स्किल इंडिया पोर्टल, समग्र शिक्षा

मेन्स के लिये:

भारतीय समाज के लिये डिजिटल सशक्तीकरण का महत्त्व, संबंधित सरकारी पहल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **जनजातीय मामलों के मंत्रालय और मेटा (पूर्व में फेसबुक) ने गोल प्रोग्राम (GOAL 2.0)** का दूसरा चरण शुरू किया है।

GOAL कार्यक्रम:

- **GOAL (गोइंग ऑनलाइन एज़ लीडर्स)** कार्यक्रम को मई 2020 में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया था और यह दिसंबर 2021 में पूरा हुआ।
- इसका उद्देश्य मेंटॉर (सलाहकार या प्रशिक्षण देने वाला) और मेंटी (प्रशिक्षु) की अवधारणा के माध्यम से जनजातीय युवाओं व महिलाओं का डिजिटल सशक्तीकरण करना है।
- **यह कार्यक्रम पूरी तरह से मेटा (फेसबुक इंडिया) द्वारा वित्तपोषित है।**
- इस चरण में प्रशिक्षुओं को तीन पाठ्यक्रम आधारों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया था।
  - संचार व जीवन कौशल
  - डिजिटल उपस्थिति को सक्षम बनाना
  - नेतृत्व व उद्यमिता

GOAL 2.0:

- **परिचय:**
  - GOAL 2.0 कार्यक्रम जनजातीय समुदाय के सभी लोगों के लिये खुला है।
    - चरण- I में एक प्रशिक्षक को दो प्रशिक्षकों से जोड़कर ऑनलाइन डिजिटल मेंटरशिप प्रदान की गई।
- **उद्देश्य:**
  - इस कार्यक्रम का उद्देश्य फेसबुक लाइव सत्र और एक डिजिटल शिक्षण उपकरण- मेटा बिज़नेस कोच के माध्यम से जनजातीय युवाओं के कौशल को बढ़ाना और उन्हें डिजिटल रूप में सक्षम बनाना है।
  - 50,000 **वन धन स्वंय सहायता समूहों** के 10 लाख से अधिक सदस्यों पर विशेष फोकस रहेगा।
    - उन्हें अपने उत्पादों की बाज़ार मांग, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और विपणन के संबंध में डिजिटल रूप से प्रशिक्षित किया जाएगा।
  - GOAL 2.0 के तहत विभिन्न क्षेत्रों के उद्योग **विशेषज्ञों द्वारा क्रमिक सत्रों के आधार पर प्रशिक्षुओं की आवश्यकताओं के अनुरूप चैटबॉट के प्रावधान** के साथ जनजातीय युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा ताकि वे अधिकतम भागीदारी के साथ लाभान्वित हो सकें।
- **शामिल एजेंसियाँ:**
  - इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के समन्वय से जनजातीय कार्य मंत्रालय इस कार्यक्रम के तहत चुने गए 175 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (EMRS) में से प्रत्येक में 6 डिजिटल कक्षाएँ संचालित करेगा।
  - यह परियोजना ERNET की ओर से कार्यान्वित की जा रही है जो इलेक्ट्रॉनिकी एवं और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (**MeITY**) के तहत एक स्वायत्त संगठन है।

कौशल विकास के लिये कुछ अन्य पहलें:

- **प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY):**
    - स्किल इंडिया मिशन के तहत **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE)** इस योजना को लागू कर रहा है।
    - PMKVY 3.0 के तहत डिजिटल प्रौद्योगिकी एवं उद्योग 4.0 पर कौशल विकास हेतु भी ध्यान दिया गया है।
    - क्षेत्र कौशल परिषदों (SSC) ने नई और उभरती डिजिटल तकनीकों व उद्योग 4.0 कौशल जैसे **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)** और **इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT)** में भी रोज़गार का सृजन किया है।
- **ई-स्किल इंडिया पोर्टल:**
    - MSDE के तत्त्वावधान में **राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC)** ने eSkill India पोर्टल के माध्यम से **ऑनलाइन कौशल कार्यक्रम** शुरू किया है।
    - यह मंच **साइबर सुरक्षा**, **ब्लॉकचेन**, **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, प्रेडिक्टिव मॉडलिंग, सांख्यिकीय व्यापार विश्लेषिकी**, **क्लाउड** **तथा इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर सीखने का अवसर प्रदान करता है, साथ ही डिज़ाइन विधि, परियोजना प्रबंधन और डिजिटल मार्केटिंग** जैसे पेशेवर कौशल भी प्रदान करता है।
- **समग्र शिक्षा:**
    - '**समग्र शिक्षा'** के **व्यावसायिक शिक्षा** घटक के तहत आने वाले स्कूलों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के **आदिवासी छात्रों सहित स्कूली छात्रों के लिये राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (NSQF) के अनुरूप व्यावसायिक पाठ्यक्रम** पेश किये जाते हैं।
    - इसमें **संचार कौशल, स्व-प्रबंधन कौशल, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी कौशल, उद्यमिता कौशल एवं हरित कौशल** शामिल हैं।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/goal-2-0